संजीव®

One Stop Solution
for Exam Review

राजस्थान

इतिहास, कला एवं संस्कृति

RPSC & RSSB

PYQ

Blue Book

Previous Years Questions

7 संभागों एवं 41 जिलों के संदर्भ में विस्तृत व्याख्या

राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2024-25 एवं बजट 2025-26 का समावेश

लेखक एवं संकलनकर्ता

अनुप्रिया
R.A.S. 2021 चयनित

गौरव बुडानिया
I.A.S. AIR 13 | RAS Rank 12

संपादक

डॉ. दीपेश कुमार सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-03
  Website : www.sanjivprakashan.com

- © **संजीव प्रकाशन**

- **संस्करण - द्वितीय**
- **मूल्य : ₹ 320.00**
- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
- **मुद्रक :**
  पंजाबी प्रेस, जयपुर

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं-
  email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके-इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के प्रतिवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

अनुक्रमणिका

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक
राजस्थान का इतिहास	**5-98**
1. राजस्थान के इतिहास के स्रोत : पुरातात्विक, ऐतिहासिक, साहित्यिक, अभिलेख, प्रशस्तियाँ, यात्रियों का विवरण	06
2. राजस्थान की प्रमुख सभ्यताएँ एवं स्थल	14
3. राजस्थान में जनपदकाल, राजपूतों की उत्पत्ति	27
4. राजस्थान के प्रमुख राजवंश एवं उनसे संबंधित घटनाएँ, आर्थिक व राजनीतिक व्यवस्था, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम	30
5. राजस्थान की रियासतें एवं ब्रिटिश संधियाँ	60
6. राजस्थान में 1857 की क्रांति	62
7. राजस्थान में जनजातीय एवं किसान आंदोलन	68
8. राजस्थान में क्रांतिकारी गतिविधियाँ, राजनीतिक चेतना एवं प्रजामंडल आंदोलन	77
9. राजस्थान का एकीकरण	92
राजस्थान की कला एवं संस्कृति	**99-232**
1. राजस्थान का स्थापत्य : दुर्ग, हवेलियाँ, मंदिर, स्मारक	100
2. राजस्थान की चित्रकला, भित्ति चित्रण	125
3. राजस्थान की लोक कला एवं हस्त कलाएँ, प्रमुख संस्थान	133
4. लोक संगीत, नृत्य एवं नाट्य, वाद्य यंत्र, प्रमुख संस्थान	140

अध्याय का नाम	पृष्ठ क्रमांक

5. राजस्थान के लोक देवी-देवता 156

6 राजस्थान के प्रमुख धर्म एवं संत-संप्रदाय 168

7 राजस्थान के प्रमुख मेले, त्योहार एवं पर्व 180

8. राजस्थानी भाषा, बोलियाँ एवं साहित्य, प्रमुख संस्थान 190

9. राजस्थान के प्रमुख रीति-रिवाज, प्रथाएँ एवं वस्त्राभूषण 213

10. राजस्थान की प्रमुख जनजातियाँ 223

11. प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व 227

राजस्थान का इतिहास

PYQ

Previous Years Questions

1 राजस्थान के इतिहास के स्रोत : पुरातात्विक, ऐतिहासिक, साहित्यिक, अभिलेख, प्रशस्तियाँ, यात्रियों का विवरण

● **अजमेर संग्रहालय में प्रदर्शित लिंगोद्भव मूर्ति कहाँ से प्राप्त हुई?** **[ASO परीक्षा, 2024]**

(1) ओसियाँ (2) बुचकला
(3) आभानेरी (4) हर्षनाथ

व्याख्या : (4) अजमेर संग्रहालय में प्रदर्शित लिंगोद्भव मूर्ति हर्षनाथ पर्वत (सीकर) से प्राप्त हुई है। हर्ष मंदिर के निर्माण के समय इसमें पौराणिक महत्त्व की कई मूर्तियाँ प्रतिष्ठित की गई थी, जिनमें एक मूर्ति लिंगोद्भव की भी थी।

● **बड़वा यूप अभिलेख सम्बन्धित है–** **[सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा, 2024; कनिष्ठ अभियंता कृषि, 2022]**

(1) मौखरी वंश से (2) मौर्य वंश से
(3) परमार वंश से (4) खींची वंश से

व्याख्या : (1) बड़वा यूप स्तम्भ लेख (238-239 ई.) मौखरी राजवंश से सम्बन्धित सबसे प्राचीन अभिलेख है। यह बड़वा ग्राम (बारां) में अवस्थित है। इस अभिलेख में बलवर्द्धन सोमदेव और बलसिंह द्वारा त्रिरात्र यज्ञ के आयोजन का उल्लेख मिलता है।

● **किस अभिलेख में प्रतिहारों को सौमित्र (लक्ष्मण) से उद्भूत हुआ कहा गया है?** **[RPSC II Grade (Group-A), 2023]**

(1) ग्वालियर अभिलेख (2) जोधपुर अभिलेख
(3) उज्जैन अभिलेख (4) कन्नौज अभिलेख

व्याख्या : (1) ग्वालियर अभिलेख में प्रतिहारों को सौमित्र (लक्ष्मण) से उद्भूत माना गया है। ग्वालियर प्रशस्ति में नागभट्ट को नारायण की उपाधि (म्लेच्छों के दमन के कारण) दी गई थी। नागभट्ट द्वितीय को ग्वालियर प्रशस्ति में आंध्र, आनर्त, मालव, किरात, तुरुष्क, वत्स, मत्स्य आदि प्रदेशों का विजेता बताया गया है।

● **घटियाला शिलालेख का सम्बन्ध मण्डोर शाखा के किस प्रतिहार शासक से है?** **[RPSC II Grade (Group-3), 2023]**

(1) कक्कुक (2) बाउक
(3) शीलुक (4) रज्जिल

व्याख्या : (1) घटियाला शिलालेख (861 ई.) जोधपुर जिले के **घटियाला ग्राम** में एक स्तम्भ पर उत्कीर्ण है। इस अभिलेख से मण्डोर शाखा के प्रतिहार शासक **कक्कुक** के शासनकाल की जानकारी मिलती है। यह अभिलेख संस्कृत व प्राकृत दोनों भाषाओं में मिलता है। इसमें **मग जाति** के ब्राह्मणों का भी उल्लेख मिलता है।

● **मुगल शासकों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के कारण जयपुर के कच्छवाहा शासकों द्वारा जारी किए गए सिक्के..... कहलाते थे।** **[CET 10+2, 2023]**

(1) विजयशाही (2) दीनार
(3) भिलाड़ी (4) झाड़शाही

व्याख्या : (4) जयपुर के कच्छवाह शासकों द्वारा जारी किए गये **झाड़शाही** सिक्के मुगलों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों को दर्शाते हैं **विजयशाही** सिक्के जोधपुर राज्य से संबंधित है। **भिलाड़ी** सिक्कों का संबंध मेवाड़ रियासत से है। राज्य में 11वीं से 13वीं सदी के सांभर, अजमेर एवं नाडोल-जालोर के चौहान शासनकालीन चाँदी व ताँबे के सिक्के मिले हैं, जिन्हें चौहानकालीन शिलालेखों में '**द्रम्म**', '**विशोपक**', '**रूपक**' व **दीनार** आदि कहा जाता था।

● **'अर्ली चौहान डाइनेस्टीज़' के लेखक हैं–** **[CET स्नातक स्तर, 2023; प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) परीक्षा, 2022]**

(1) जी.ए. ग्रियर्सन (2) दशरथ शर्मा
(3) जी.एच. ओझा (4) जी.एन. शर्मा

व्याख्या : (2)

लेखक		रचना
♦ दशरथ शर्मा	–	अर्ली चौहान डाइनेस्टीज
♦ जी.ए. ग्रियर्सन	–	लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया
♦ जी.एच. ओझा	–	प्राचीन भारतीय लिपिमाला

● **'फतुहात-ए-आलमगीरी' के लेखक कौन हैं?** **[CET स्नातक स्तर, 2023]**

(1) फिरोज शाह तुगलक (2) ईश्वरदास नागर
(3) औरंगजेब (4) दारा शिकोह

व्याख्या : (2) 'फतुहात-ए-आलमगीरी' नामक पुस्तक ईश्वरदास नागर द्वारा रचित प्रमुख कृति है। उल्लेखनीय है कि ईश्वरदास नागर लम्बे समय तक जोधपुर में मुगल अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। इस पुस्तक में 1698 ई. तक की औरंगजेब के शासनकाल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ शामिल हैं। यह पुस्तक मालवा तथा राजपूताना के प्रांतीय शासन पर भी पर्याप्त प्रकाश डालती है।

● **ऐतिहासिक स्थल 'जाबालिपुर' की आधुनिक पहचान है–** **[CET स्नातक स्तर, 2023]**

(1) जालोर (2) सिरोही
(3) नागौर (4) जैसलमेर

व्याख्या : (1) प्राचीन काल में जालोर को **जाबालिपुर** के नाम से जाना जाता है। प्रतिहार नरेश **नागभट्ट प्रथम** ने जालोर को अपनी राजधानी बनाया था।

● **निम्नलिखित में से जॉर्ज थॉमस द्वारा 'राजस्थान' के लिए सर्वप्रथम किन शब्दों का प्रयोग किया गया था?** **[Asst. Town Planner, 2022]**

(1) मत्स्य प्रदेश (2) राजस्थान
(3) राजपूताना (4) मरुभूमि

व्याख्या : (3) 1800 ई. में जॉर्ज थॉमस ने राजस्थान को **'राजपूताना'** नाम से संबोधित किया था। कर्नल जेम्स टॉड ने अपनी पुस्तक **'द एनाल्स एण्ड एन्टिक्यूटीज ऑफ राजस्थान'** में राजस्थान के लिए सर्वप्रथम **'राजस्थान या रायथान'** शब्द का प्रयोग किया था।

● **हल्दीघाटी के युद्ध को 'गोगुन्दा का युद्ध' किसने कहा है?**
[वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्या. परीक्षा, 2022]

(1) अबुल फ़जल (2) कर्नल जेम्स टॉड
(3) निजामुद्दीन अहमद (4) अब्दुल कादिर बदायूँनी

व्याख्या : (4) हल्दीघाटी का युद्ध 18 जून, 1576 को महाराणा प्रताप व अकबर के सेनापति मानसिंह के बीच लड़ा गया। इसे **कर्नल जेम्स टॉड** ने **'मेवाड़ की थर्मोपल्ली'**, **'बदायूँनी** ने **'गोगुन्दा का युद्ध'** एवं **अबुल फजल** ने **'खमनौर का युद्ध'** कहा।

● **निम्नलिखित में से किस प्राचीन सभ्यता में सम्राट अशोक के दो शिलालेख पाये गए हैं?**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-D) परीक्षा, 2022]

(1) गणेश्वर (2) कालीबंगा
(3) बैराठ (4) बनास

व्याख्या : (3) बैराठ सभ्यता कोटपूतली-बहरोड़ जिले के विराटनगर में स्थित है। यहाँ बीजक की डूँगरी पर मौर्यकालीन ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण सम्राट **अशोक का भाब्रू शिलालेख** प्राप्त हुआ, जिससे सम्राट अशोक की बौद्ध धर्म में आस्था प्रकट होती है। विराट नगर को मौर्यकाल में बौद्ध धर्म का एक केन्द्र माना जाता था।

● **अमीर खुसरो की किस रचना में चित्तौड़ पर अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण का वर्णन आता है?**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-D) परीक्षा, 2022; द्वितीय श्रेणी शिक्षक (मा. शिक्षा) परीक्षा, 2016]

(1) तारीख-ए-अलाई (2) खजाइन-उल-फुतूह
(3) इजाज-ए-खुसरवी (4) किरान-उस-सादीन

व्याख्या : (*) वर्ष 1303 ई. में चित्तौड़गढ़ पर अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण का वर्णन मौजूदा इतिहासकार अमीर खुसरो ने अपनी रचना **खजाइन-उल-फुतूह** (तारीख-ए-अलाई) में किया है।

● **प्राचीन शिलालेखों में जालौर को किस नाम से जाना जाता था?**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-D) परीक्षा, 2022]

(1) जयगढ़ (2) जलालाबाद
(3) जाबालिपुर (4) खिज्राबाद

व्याख्या : (3) जालोर राजस्थान की **स्वर्ण नगरी** और **ग्रेनाइट सिटी** के नाम से प्रसिद्ध है। यह शहर प्राचीनकाल में **जाबालिपुर** के नाम से जाना जाता था।

● **सुमेलित कीजिए-**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-D) परीक्षा, 2022]

रचनाकार	ग्रन्थ
(A) अमीर खुसरो	(i) तारीख-ए-शेरशाही
(B) अब्बास खाँ सरवानी	(ii) तारीख-उल-हिंद
(C) अलउतबी	(iii) तारीख-ए-यामिनी
(D) अलबरूनी	(iv) तारीख-ए-अलाई

कूट :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

व्याख्या (4)

रचनाकार		ग्रन्थ
♦ अमीर खुसरो	–	तारीख-ए-अलाई
♦ अब्बास खाँ सरवानी	–	तारीख-ए-शेरशाही
♦ अलउतबी	–	तारीख-ए-यामिनी
♦ अलबरूनी	–	तारीख-उल-हिन्द (किताब-उल-हिन्द)

● **उत्तर गुप्तकालीन शंखलिपि में लिखे लेख मिले हैं –**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-A) परीक्षा, 2022]

(1) बैराठ में (2) आहड़ में
(3) ओजियान में (4) गिलूण्ड में

व्याख्या : (1) गुप्तकालीन शंखलिपि के प्रचुर मात्रा में प्रमाण बैराठ सभ्यता (कोटपूतली-बहरोड़) से उपलब्ध हुए हैं। शंख लिपि प्राचीन लिपियों में से एक है। इस लिपि में वर्ण शंख से मिलते-जुलते कलात्मक होते हैं इसलिए इसे शंख लिपि कहते हैं।

● **राजस्थान में संस्कृत का प्राचीनतम अभिलेख कहाँ से प्राप्त हुआ है?** **[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-B) परीक्षा, 2022]**

(1) नान्दसा (2) पुष्कर
(3) बयाना (4) घोसुण्डी

व्याख्या : (4) राजस्थान में संस्कृत का **प्राचीनतम अभिलेख** (दूसरी शताब्दी ई.पू.) घोसुण्डी गाँव (चित्तौड़गढ़) से प्राप्त हुआ है। यह राजस्थान में **वैष्णव सम्प्रदाय** से संबंधित प्राचीनतम अभिलेख है।

● **घटियाला शिलालेख में निम्नांकित में से किस वंश की जानकारी प्राप्त होती है?**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-B) परीक्षा, 2022]

(1) गुहिलोत (2) कच्छवाहा
(3) सिसोदिया (4) मंडोर के प्रतिहार

व्याख्या : (4) घटियाला शिलालेख (861 ई.) जोधपुर जिले के **घटियाला** गाँव से मिला है। यह अभिलेख घटियाला में माता की छाल नामक जैन मंदिर के स्तंभ पर **संस्कृत भाषा** में उत्कीर्ण है। इस अभिलेख में गुर्जर प्रतिहार शासक **कक्कुक** का उल्लेख मिलता है।

● **'नौचौकी' बाँध कहाँ स्थित है?**
[द्वितीय श्रेणी शिक्षक (ग्रुप-B) परीक्षा, 2022]

(1) भीलवाड़ा (2) चित्तौड़
(3) राजसमन्द (4) उदयपुर

व्याख्या : (*) नौ चौकी की पाल राजसमन्द जिले में राजसमन्द झील के किनारे स्थित है। यहाँ **विश्व की सबसे बड़ी प्रशस्ति** राजप्रशस्ति (1676 ई.) उत्कीर्ण की गई है।

● **'जिनभद्रसूरी ग्रंथ भण्डार' राजस्थान के किस शहर में स्थित है?**
[प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) (ग्रुप-A) परीक्षा, 2022]
(1) जयपुर (2) जैसलमेर
(3) जालौर (4) जोधपुर

व्याख्या : (2) जिनभद्रसूरी ग्रंथ भंडार राजस्थान के **जैसलमेर दुर्ग** में स्थित है। यह **हस्तलिखित ग्रंथों का** दुर्लभ भण्डार है जिसमें ताड़पत्रों पर लिखित अनेक ग्रंथ संगृहीत हैं।

● **1303 ई. में चित्तौड़ अभियान के दौरान जो मुस्लिम इतिहासकार अलाउद्दीन खिलजी के साथ गया था, वह था–**
[प्राध्यापक (स्कूल शिक्षा) (ग्रुप-E) परीक्षा, 2022]
(1) जियाउद्दीन बरनी (2) इसामी
(3) मिन्हाज-उस-सिराज (4) अमीर खुसरो

व्याख्या : (4) 1303 ई. में अलाउद्दीन के चित्तौड़ अभियान के समय अमीर खुसरो अलाउद्दीन के साथ था। उसने अपने ग्रंथ **तारीख-ए-अलाई** (खजाइन-उल-फुतूह) में इस युद्ध का वर्णन किया है।

● **बड़ली स्टोन–एपिग्राफ (शिलालेख) चिह्नित किया गया है—**
[कनिष्ठ अभियन्ता कृषि, 2022]
(1) संस्कृत पांडुलिपि में (2) ब्राह्मी पांडुलिपि में
(3) प्राकृत पांडुलिपि में (4) खरोष्ठी पांडुलिपि में

व्याख्या : (2) 443 ई.पू. का बड़ली (अजमेर) का शिलालेख **ब्राह्मी लिपि** में उत्कीर्ण है। यह **राजस्थान का सबसे प्राचीन अभिलेख** है। पं. गौरीशंकर हीराचन्द ओझा को यह भिलोत माता मन्दिर से प्राप्त हुआ था। वर्तमान में यह अजमेर संग्रहालय में संरक्षित है।

● **निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है?**
[कनिष्ठ अभियन्ता कृषि, 2022]
(1) धौलपुर के सिक्के – तमंचाशाही
(2) करौली के सिक्के – माणकशाही
(3) प्रतापगढ़ के सिक्के – सालिमशाही
(4) भरतपुर के सिक्के – मदनशाही

व्याख्या : (4)

रियासत		सिक्कों के नाम
◆ भरतपुर	–	शाहआलमी
◆ धौलपुर	–	तमंचाशाही (तमंचे का चिह्न अंकित)
◆ करौली	–	माणकशाही (कटार व झाड़ के चिह्न अंकित)
◆ प्रतापगढ़	–	सालिमशाही और लक्ष्मणशाही
◆ कोटा	–	मदनशाही और हाली
◆ मेवाड़	–	स्वरूपशाही, फतेहशाही, भोपालशाही और सिक्का एलची (चित्तौड़ की टकसाल में मुगल शासकों के ढाले गए सिक्के।
◆ मारवाड़	–	गजशाही, विजयशाही, लल्लूशाही, ढ़ब्बूशाही और भीमशाही।

● **अमीर खुसरो की किस कृति से जलालुद्दीन खिलजी के रणथम्भौर अभियान का उल्लेख प्राप्त होता है?**
[कनिष्ठ अभियन्ता कृषि, 2022]
(1) किरान-उस-सदायन (2) मिफ्ता-उल-फुतूह
(3) खजाइन-उल-फुतूह (4) आशिका

व्याख्या : (2) अमीर खुसरो की कृति **मिफ्ता-उल-फुतूह** से जलालुद्दीन खिलजी के रणथम्भौर अभियान (आक्रमण) का उल्लेख मिलता है। उल्लेखनीय है कि अमीर खुसरो के एक अन्य ग्रन्थ **'खजाइन-उल-फुतूह'** में मेवाड़ शासक रावल रतनसिंह और अलाउद्दीन खिलजी के मध्य 1303 ई. में हुए युद्ध का वर्णन मिलता है।

● **'सोशल लाइफ इन मेडिवल राजस्थान' किसने लिखी?**
[कनिष्ठ अभियन्ता कृषि, 2022]
(1) जी.एन. शर्मा (2) दशरथ शर्मा
(3) वी.के. वशिष्ठ (4) जी.एच. ओझा

व्याख्या : (1) 'सोशल लाइफ इन मेडिवल राजस्थान' **जी.एन. शर्मा** ने लिखी।
गौरीशंकर हीराचन्द ओझा—इन्होंने 'भारतीय प्राचीन लिपिमाला' नामक ग्रन्थ की रचना की। अंग्रेजों ने इन्हें **महामहोपाध्याय** एवं **रायबहादुर** की उपाधि प्रदान की।

● **चीरवा शिलालेख किस राजवंश के शासकों का उल्लेख करता है?** **[कनिष्ठ अभियन्ता कृषि, 2022]**
(1) मारवाड़ के राठौड़ शासकों का
(2) मेवाड़ के गुहिल शासकों का
(3) आमेर के कछवाहा शासकों का
(4) अजमेर के चौहान शासकों का

व्याख्या : (2) 1273 ई. का चीरवा शिलालेख **चीरवा गाँव** (उदयपुर) के एक मन्दिर से प्राप्त हुआ है। **संस्कृत** भाषा में लिखित 51 श्लोकों के इस शिलालेख से **मेवाड़ के प्रारम्भिक गुहिलवंशीय शासकों**, चीरवा गाँव की स्थिति, विष्णु मन्दिर की स्थापना, शिव मंदिर के लिए भू-अनुदान आदि का ज्ञान प्राप्त होता है।

● **राजपूताना म्यूजियम, अजमेर की स्थापना कब की गई थी?**
[कनिष्ठ अभियन्ता कृषि, 2022]
(1) 1947 ई. (2) 1908 ई.
(3) 1938 ई. (4) 1911 ई.

व्याख्या : (2) राजपूताना म्यूजियम, अजमेर की स्थापना **19 अक्टूबर, 1908** को **अकबर का किला** (मैगजीन दुर्ग) में की गई। इसका उद्घाटन राजपूताना के ए.जी.जी. (गवर्नर जनरल के एजेंट) कॉल्विन द्वारा किया गया।

● **निम्नलिखित में से कौनसा (अभिलेख/शिलालेख–जिला/स्थान) सुमेलित नहीं है?**
[कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) (डिप्लोमा धारक), 2022]
(1) बसन्तगढ़—सिरोही (2) मानमोरी—चित्तौड़
(3) घटियाला—जैसलमेर (4) चीरवा—उदयपुर

व्याख्या : (3) घटियाला शिलालेख (861 ई.) जोधपुर के घटियाला गाँव से प्राप्त हुए हैं। इससे मण्डोर के प्रतिहार वंश की उत्पत्ति, प्रतिहार शासकों की नामावली पर प्रकाश पड़ता है। इसमें प्रतिहार शासक हरिश्चन्द्र एवं उसके उत्तराधिकारियों के राज्य विस्तार की जानकारी मिलती है। यह शिलालेख कक्कुक के समय लिखा गया था। संस्कृत भाषा में लिखे गए इस शिलालेख के लेखक 'मग' एवं उत्कीर्णक 'कृष्णेश्वर' थे।